- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 परिवारों की आर्थिक स्थिति का ब्यौरा सदन में रखा जाएगा : नीतीश

04 तिरहुत प्रमंडल आयुक्त ने की राष्ट्रपति के आगमन के पूर्व तैयारी की समीक्षा

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, गुरुवार, 12 अक्टूबर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 250

देश को कश्मीर के जिम्मेदार युवाओं पर गर्व है: राष्ट्रपति

भारत की राष्ट्रपति ने कश्मीर विश्वविद्यालय के 20वें दीक्षांत समारोह की बढ़ाई शोभा

श्रीनगर। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कश्मीर विश्वविद्यालय के 20वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि देश को कश्मीर के जिम्मेदार युवाओं पर गर्व है। उन्होंने कश्मीर विश्वविद्यालय के छात्रों से अपनी पढ़ाई के साथ-साथ समाज सेवा में भी सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऐसा करके वे सामाजिक बदलाव ला सकते हैं और एक मिसाल कायम कर सकते हैं। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि पूर्व छात्रों ने देश की सेवा करके इस विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

कश्मीर विश्वविद्यालय के आदर्श वाक्य जिसका अर्थ है 'आइए हम अंधकार से प्रकाश की ओर चलें' का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि जितना अधिक हमारे युवा शिक्षा के प्रकाश की ओर, शांति के प्रकाश की ओर बढ़ेंगे, उतना ही हमारा देश प्रगति करेगा। जिस समाज और देश के युवा विकास और अनुशासन के मार्ग पर चलते हैं, वह समाज और देश प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ता है।'

उन्होंने कहा कि मुझे यह जानकर खुशी हुई कि कश्मीर विश्वविद्यालय में 55 प्रतिशत छात्र लड़कियां हैं। वे हमारे देश और उसकी नियति की तस्वीर पेश करती हैं। महिलाएं और लड़कियां देश के नेतृत्व में बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' 2023 हमारे देश में महिला नेतृत्व वाले विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम साबित होगा।

सतत विकास के बारे में राष्ट्रपति ने कहा कि सतत विकास की सीख कश्मीर की विरासत का हिस्सा है। उन्होंने एक कहावत का हवाला दिया जिसका अर्थ है 'जब तक जंगल हैं तभी तक भोजन रहेगा' और कहा कि पृथ्वी पर इस स्वर्ग को संरक्षित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कश्मीर विश्वविद्यालय से हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया।

INDIAमें शामिल होने की खबरें निराधार : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को विपक्षी दलों के गठबंधन आईएनडीआईए में उनकी पार्टी के शामिल होने की खबर को बेबुनियाद बताया। मायावती ने एक्स पर कहा कि सपा नेता प्रो. रामगोपाल यादव के हवाले से बसपा के आईएनडीआईए में शामिल होने से संबंधित बेबुनियाद खबर का एक टीवी चैनल पर प्रसारण पूरी तरह से गलत है। उन्होंने सवाल किया कि बार-बार ऐसी मनगढंत खबरों से मीडिया अपना इमेज खराब करने पर क्यों तुला है, कहीं ये सब किसी एजेंडे के तहत तो नहीं हो रहा है? बसपा प्रमुख ने कहा कि ऐसी अनर्गल खबरों का सपा एवं उनके नेता द्वारा खंडन नहीं करना क्या यह साबित नहीं करता है कि उस पार्टी की हालत यहां उत्तर प्रदेश में काफी बदहाल है।

बिहार में ट्रेन हादसा, 4 मौत..100 घायल

बीएनएम@पटना

बिहार में दिल्ली से गुवाहाटी जा रही नॉर्थ-ईस्ट एक्सप्रेस (12506) बुधवार की रात हादसे का शिकार हो गई। ट्रेन की सभी 21 बोगियां पटरी से उतर गईं, जिनमें एसी-3 टियर की दो बोगियां पलट गईं। इस हादसे में 4 यात्रियों की मौत हुई है, जिनमें दो पुरूष, एक महिला और एक बच्ची (5) शामिल है। यह हादसा बक्सर-आरा के बीच रघुनाथपुर स्टेशन के पास रात में 9 बजकर 35 मिनट पर हुआ। ट्रेन में सवार 100 से ज्यादा यात्री घायल हुए हैं। इनमें 5 से 20 लोगों की हालत गंभीर है, जिन्हें एम्स पटना भेजा गया है। अन्य घायलों का स्थानीय अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

घटना के बाद NDRF और SDRF की टीम के साथ पटना, आरा और बक्सर से रेलवे की बचाव टीम ने रेस्क्यू शुरू किया। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, पटरी में क्रैक होने की वजह से यह हादसा हुआ। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

ट्रेन के गार्ड ने बताया कि दुर्घटना के वक्त ट्रेन करीब 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी। एकदम से ब्रेक लगा और ट्रेन डिरेल हो गई। पोल संख्या 629/8 के पास कर्व था। यहां से ट्रेन की चार बोगी निकल गईं। फिर एक-एक कर सभी बोगियां डिरेल होती चली गईं। इस ट्रेन के आने से आधा घंटे पहले पैसेंजर ट्रेन (03210) इसी ट्रैक से गुजरी थी। उसी वक्त धड़-धड़ की आवाज सुनाई दी थी। इस ट्रेन की स्पीड कम थी, इसलिए हादसा नहीं हुआ। बाद में नॉर्थ-ईस्ट एक्सप्रेस तेज रफ्तार में आई तो पलट गई।

बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने बताया कि पटना के एम्स और IGIMS को अलर्ट मोड पर रखा गया। एम्स के डायरेक्टर गोपाल कृष्ण पाल ने बताया कि ट्रॉमा सेंटर और इमरजेंसी वार्ड में पूरी तैयारी है।

आयोजन सम्मेलन के समापन पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 14 अक्टूबर को समापन भाषण देंगे

पी-20 शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 अक्टूबर को 9वें पी-20 शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। यह जानकारी लोकसभा सचिवालय ने बुधवार को एक बयान में दी। शिखर सम्मेलन के समापन पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 14 अक्टूबर को समापन भाषण देंगे।

लोकसभा सचिवालय ने बताया कि जी-20 देशों की संसद के पीठासीन अधिकारियों के अलावा आमंत्रित देशों की संसद के पीठासीन अधिकारी भी सम्मेलन में भाग लेंगे। पैन अफ्रीकी संसद के अध्यक्ष भारत में आयोजित पी-20 शिखर सम्मेलन में पहली बार भाग लेंगे। इस सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली के द्वारका स्थित नवनिर्मित भारत अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और एक्सपो सेंटर में

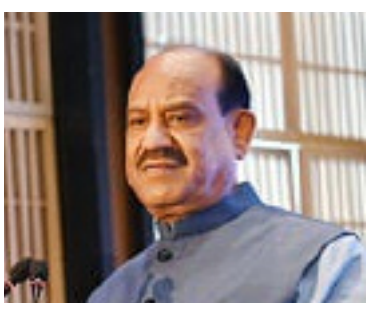

किया जाएगा।

ब्राज़ील के चैंबर ऑफ डेप्युटीज़ के प्रेसिडेंट आर्थर सीज़र परेरा डी लीरा, हाउस ऑफ कॉमन्स के स्पीकर सर लिंडसे हॉयल, पैन अफ्रीकी यूनियन के प्रेसिडेंट डॉ. अशेबीर डब्ल्यू गायो, मेक्सिको सीनेट की प्रेसिडेंट एना लिलिया रिवेरा रिवेरा, कोरिया गणराज्य की नेशनल असेंबली के स्पीकर किम जिन-प्यो, दक्षिण अफ्रीका की नेशनल काउंसिल ऑफ प्रोविंसेस के चेयरपर्सन अमोस मासोंडो, ओमान की स्टेट काउंसिल के चेयरमैन शेख अब्दुलमलिक अब्दुल्ला अल खलीली, दुआर्ते पचेको शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आज भारत पहुंचे गए हैं।

बांग्लादेश की संसद की स्पीकर डॉ. शिरीन शर्मिन चौधरी 10 अक्टूबर को ही दिल्ली पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की सीनेट की प्रेसिडेंट सीनेटर सू लाइन्स और ऑस्ट्रेलिया के हाउस ऑफ रेप्रेजेंटेटिव्स के स्पीकर मिल्टन डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 07 अक्टूबर को नई दिल्ली पहुंचे।

लोकसभा सचिवाल के मुताबिक स्वसुधैव कुटुंबकम- एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के लिए संसदस्र की भावना के अनुरूप इस शिखर सम्मेलन में वैश्विक एकता और सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा। इसके पीछे निहित धारणा यह है कि पूरा विश्व एक परिवार है और आज हमसब मिलकर जो कार्यवाही करेंगे, उसी से पूरी दुनिया के सभी लोगों का भविष्य निर्धारित होगा। यह विषय पूरी दुनिया की संसदों और देशों के लिए एक संदेश होगा कि सतत विकास, जलवायु परिवर्तन, महिला-पुरुष समानता और शांति जैसी वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए सीमाओं के बंधन और मतभेदों से ऊपर उठकर परस्पर सहयोग करते हुए प्रयास करने की आवश्यकता है।

PM के नेतृत्व में देश की धरोहरों को किया गया संरक्षित: अमित शाह

रोहतक। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गत 9 वर्ष के दौरान केंद्र सरकार ने पुनर्जागरण करते हुए सांस्कृतिक धरोहरों को सहजने का कार्य किया है। सरकार के अनेक महत्वपूर्ण फैसलों के परिणामस्वरूप देश आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह बुधवार को बाबा मस्तनाथ मठ में ब्रह्मलीन महंत चांदनाथ योगी की स्मृति में शंखढाल व मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रीराम की जन्मस्थली पर भव्य मंदिर का निर्माण जारी है। आगामी जनवरी माह में भगवान श्रीराम इस मंदिर में विराजमान होंगे।

आदिवासी महिला की धारदार हथियार से हत्या, शव बरामद

नवादा। नवादा जिले के उग्रवाद प्रभावित कौआकोल थाना इलाके में एक आदिवासी महिला की हत्या कर दी गई है। उसके गर्दन पर जख्म का निशान पाया गया है।

बुधवार को शव की बरामदगी हुई है। महिला की पहचान मुन्नी किस्कू पति शंकर हेंब्रम के रूप में हुई। वह गयघाट गांव की रहने वाली बताई गई है।

सूचना के बाद पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंची। जहां मामले की जांच पड़ताल की गई। शव को बरामद कर कौआकोल लाया गया है। बताया गया कि महिला के गर्दन पर धारदार हथियार से किए गए प्रहार के जख्म का निशान है।

घटना के बारे में फिलहाल परिजन और पुलिस द्वारा कुछ भी नहीं बताया जा रहा है। पुलिस परिजनों के बयान का इंतजार कर रही है।

वैसे, सूत्र बताते हैं कि महिला लकड़ी काटने की बात कह घर से तारकोल डैम के इलाके में जंगल की ओर निकली थी। जिसके बाद उसकी हत्या की गई। कुआं से उसका शव बरामद हुआ। संभावना यह भी व्यक्त की जा रही है कि उग्रवादियों ने हत्या कर लाश को कुएं में फेंक दिया ।हालांकि आसपास के लोग भी कुछ भी बताने से साफ तौर पर इंकार कर रहे हैं। पुलिस वैज्ञानिक जांच की बात कह रही है । अब देखना है कि कब तक पुलिस इस हत्याकांड की गुत्थी को सुलझा पाती है।

नेपाल का लेबोरेट्री निर्माण पूरा हो जाने पर भंसार कार्य शुरू हो जायेगा : वित्त राज्य मंत्री

बगहा।वाल्मीकि नगर स्थित इंडो-नेपाल सीमा पर व्यवसायों में बाधा उत्पन्न हो रही है। सीमा से सटे नेपाल के तरफ से लेबोरेट्री के निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है, इसलिए उद्घाटन के बाद भी कस्टम कार्य नहीं कर रहा है। शीघ्र ही इस दिशा में कार्य को पूरा कर लिया जायेगा। उक्त बातें बुधवार को केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कही। नेपाल की तरफ से कस्टम कार्यालय के लेबोरेट्री नहीं बनने के कारण उद्घाटन के लगभग 10 माह बाद भी भंसार कार्य नहीं कर रहा है।उन्होंने वाल्मीकि नगर के सिंचाई विभाग की अतिथि भवन में कस्टम के अधिकारी सहायक आयुक्त किशोर कुमार मिश्रा से भंसार के स्थिति के बारे में जानकारी लिया। कस्टम अधिकारी मिश्रा ने बताया कि नेपाल की ओर से लैब के निर्माण कार्य अभी पूरा नहीं किया गया है। जैसे ही नेपाल की ओर से इस दिशा में कार्य को पूरा कर लिया जायेगा। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, महाराजगंज सदर विधानसभा विधायक जय मंगल कनौजिया, पूर्व अध्यक्ष विश्वविद्यालय गोरखपुर दिनेश चंद्र त्रिपाठी, कस्टम विभाग के सहायक आयुक्त किशोर कुमार मिश्रा,टी.वी.टोप्पो कस्टम अधीक्षक नरकटियागंज, कस्टम निरीक्षक रविंद्र कुमार रवि, गंगा दयाल प्रसाद ,वरीय हवलदार,रंजीत कुमार ,अजय झा, अर्जुन उपाध्याय, सुमन कुमार, सुरेंद्र आदि उपस्थित थे।

गठबंधन की अगली बैठक से पहले राहुल ने की ममता बनर्जी से बात

बीएनएम@कोलकाता। विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए की अगली बैठक नवंबर के पहले हफ्ते में हो सकती है। इस बैठक से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी से बातचीत की है। बुधवार को टीएमसी के एक नेता ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मंगलवार शाम समय राहुल गांधी ने फोन किया था। राहुल गांधी ही नहीं बल्कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और एनसीपी नेता शरद पवार ने भी मंगलवार को तृणमूल नेता ममता बनर्जी से अलग-अलग बात की थी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री पिछले महीने अपने स्पेन सफर के दौरान पैर में चोट लगने के बाद घायल हो गई थी। फिलहाल डॉक्टरों की सलाह पर वह कालीघाट स्थित अपने घर पर विश्राम कर रही हैं और वहीं से सारे प्रशासनिक कार्य भी देख रही हैं। ममता बनर्जी से यह भी पूछा गया कि गठबंधन की अगली बैठक कब की जाए। इस पर ममता ने कहा है कि दुर्गापूजा और लक्ष्मी पूजा बीतने के बाद ही वह बैठक में शामिल हो सकती हैं।

फर्जी व अधूरे जातीय जनगणना में अनेकों विसंगतियां: चंदन बागची

बीएनएम@सहरसा

राष्ट्रीय लोक जनता दल द्वारा स्टेडियम के पास अपने राज्य व्यापी कार्यक्रम के तहत बिहार में सामाजिक आर्थिक जनगणना में विसंगतियों के खिलाफ बुधवार को एक दिवसीय धरना आयोजित की गई।

किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष गौरव सिंह की अध्यक्षता एवं आई टी सेल के जिलाध्यक्ष दिनेश कुशवाहा के संचालन में धरना को संबोधित कर राष्ट्रीय लोक जनता दल के प्रदेश महासचिव सह महिषी विधानसभा के पूर्व एनडीए प्रत्याशी चंदन बागची ने कहा कि बिहार की सरकार फर्जी और आधे अधूरे जातीय जनगणना प्रकाशित किया है।जिसमें कई सारी विसंगतियां है।

राष्ट्रीय लोक जनता दल पुनः सामाजिक और आर्थिक जनगणना करने का मांग करती है ताकि दूध का दूध और पानी का पानी सामने आ सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जारी सामाजिक और आर्थिक जनगणना से विभिन्न समाज के लोग असंतुष्ट है और अपना विरोध प्रदर्शन विभिन्न माध्यमों से प्रकट कर रहे हैं।

उन्होंने राज्य सरकार पर दल के हित में राजनीतिक लाभ के लिए लोकसभा चुनाव को देखते हुए यह जनगणना जारी की गई है। राष्ट्रीय लोक जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व में इस विसंगतियों के खिलाफ बिहार में निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी।

धरना कार्यक्रम के बाद 14 अक्टूबर को पटना के गांधी मैदान गांधी स्मारक से राज भवन मार्च करेगी।

धरना कार्यक्रम को प्रदेश महासचिव लोकेश सिंह, प्रदेश सचिव धानुका दिलीप कुमार, दीपक आई टी सेल के जिलाध्यक्ष दिनेश कुशवाहा, फुलेश्वर साह,सीएम झा, चंद्रमोहन सिन्हा, शम्भु मेहता, इन्द्रकिशोर गुप्ता, मो आरिफ हुसैन, विजय दास, गणेश ठाकुर, सुशील रजक, अजीत राय, सुनील पोद्दार, आकाश कुमार राय आदि ने सम्बोधित किया।

असद के 20 ठिकानों पर आईटी की छापेमारी

पूर्णिया। इनकम टैक्स की मिल्लिया एजुकेशनल ट्रस्ट के संस्थापक डॉक्टर असद इमाम के लगभग 20 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी हुई है। सहायक खजांची थाना क्षेत्र स्थित नया टोला आवास,रामबाग स्थित मिल्लिया बीएड डिग्री कॉलेज,सिटी रोड स्थित एमआईटी , रामबाग में चलने वाले मिल्लिया कॉन्वेंट स्कूल, कसबा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल समेत 20 ठिकानों पर आयकर विभाग की ये तूफानी छापेमारी चल रही है।

डॉक्टर असद इमाम से आईटी के अधिकारी नया टोला स्थित उनके आवास पर पूछताछ कर रहे हैं। इस रेड में आईटी के अधिकारियों को कई अहम दस्तावेज हाथ लगने को सूचना हैं। आयकर विभाग की टीम विभिन्न दस्तावेजों की जांच कर रही है।

आईटी के अधिकारियो के मुताबिक यह छापामारी अभी लंबे समय तक चलेगी। हालांकि इस दौरान आयकर विभाग के किसी अधिकारी ने कुछ भी बताने से साफ इनकार कर दिया। मिलिया के संस्थापक असद इमाम साल 2015 में विधान परिषद का चुनाव लड़ चुके हैं।

असद इमाम ने बतौर कांग्रेस उम्मीदवार एमएलसी का चुनाव लडा था। सन 1984 में होम्योपैथिक कॉलेज खोलने का प्रयास इनके द्वारा किया गया था परंतु वह नहीं हुआ। उस वक्त असद इमाम एक होम्योपैथ डाक्टर हुआ करते थे।उस समय असद ईमाम फारबिसगंज मोड़ स्थित पशु चिकित्सालय के सरकारी कैंपस में रहते थे।

सभा सीएम ने जयप्रकाश जी को दी श्रद्धांजलि

परिवारों की आर्थिक स्थिति का ब्यौरा सदन में रखा जाएगा : नीतीश

पटना। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर बुधवार को आयोजित राजकीय समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सभी पार्टियों की सहमति के बाद ही हमलोगों ने जाति आधारित गणना कराने का काम किया है। अब इसकी रिपोर्ट को सदन में रखा जाएगा। सभी परिवारों की आर्थिक स्थिति का ब्यौरा भी सदन में रखा जाएगा चाहे वे किसी भी जाति, धर्म के हों।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के इस आरोप पर कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के कहने पर यादव और मुस्लिम समाज की संख्या को बढ़ाकर दिखाया है, मुख्यमंत्री ने कहा कि ये कौन बोल रहा है। आप जिनका नाम ले रहे हैं उनके पिता को हमने इज्जत दी। सम्राट चौधरी को लालू प्रसाद यादव ने विधायक और मंत्री बनाया। जब वे राजद

छोड़कर आए तो फिर हमने अपनी सरकार में उन्हें मंत्री बनाया। आज वे भाजपा में हैं। हर बार वे पार्टी बदलते हैं। कोई पार्टी बची है क्या, जिसमें वे नहीं गए हैं। उनको कोई सेंस नहीं है, उनकी बात क्यों करते हैं, उनकी चर्चा हमसे मत करिए। भाजपा ऐसे लोगों को ही आगे बढ़ा रही है जो हमको अपशब्द बोले हम ऐसे लोगों को कोई महत्त्व नहीं देते हैं।

आरक्षण का दायरा बढ़ाने से संबंधित प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी हम इस पर कुछ नहीं बोलेंगे। जाति आधारित गणना की रिपोर्ट को सदन में रखने के बाद सभी की राय हम सुनेंगे, उसके बाद सरकार इसपर निर्णय लेगी।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा क्षेत्रीय पार्टियों को खत्म करने के दिये गये बयान से संबंधित पत्रकारों के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम शुरू से कह रहे हैं कि भाजपा वालों ने मीडिया पर कब्जा कर रखा है। वे लोग सरकार के पैसे का सही इस्तेमाल भी नहीं कर रहे हैं। वे लोग केवल अपना प्रचार-प्रसार करते हैं। हम उन लोगों

सम्राट चौधरी को लालू प्रसाद यादव ने विधायक और मंत्री बनाया। जब वे राजद छोड़कर आए तो फिर हमने अपनी सरकार में उन्हें मंत्री बनाया। आज वे भाजपा में हैं। हर बार वे पार्टी बदलते हैं।

का कोई स्टेटमेंट न देखते है और न ही पढ़ते हैं। उन लोगों के चाहने से कुछ नहीं होगा। आगामी चुनाव के लिए हम सब विपक्षी पार्टियों को एकजुट कर रहे हैं और जनता निर्णय लेगी। इनसे मुक्ति मिलेगी तो देश बहुत आगे बढ़ेगा। हम उन लोगों के ऊपर कुछ नहीं कहना चाहते हैं।

मोबाइल की रोशनी में अपनों को तलाशते रहे लोग

भोजपुर। बिहार में बुधवार की रात दिल्ली से कामख्या जा रही 12506 नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस डिरेल हो गई है। बक्सर-आरा के बीच रघुनाथपुर के पास हादसा हुआ। दुर्घटना के बाद मौके पर यात्रियों के बीच चीख पुकार मच गई। शोर सुन मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। रेल यात्री मोबाइल की रोशनी में अपनों की तलाश करते दिखे। वहीं स्थानीय लोग टॉर्च और मोबाइल की रोशनी में बचाने में जुट गए। इस हादसे में 100 से ज्यादा यात्री घायल हो गए हैं। वहीं, 4 यात्रियों की मौत हो गई है।

फैमिली हेल्थ कार्ड अभियान की शुरुआत

बीएनएम@केसरिया

न्यू आइडियल एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा बुधवार को प्रखण्ड कार्यालय परिसर में फैमिली हेल्थ कार्ड स्वास्थ्य जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। जिसका शुभारम्भ विधायक शालिनी मिश्रा, बीडीओ मनीष कुमार सिंह, सीओ प्रवीण कुमार सिंह सहित अन्य ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस दौरान विधायक श्रीमती मिश्रा ने कहा कि न्यू आइडियल एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा फैमिली हेल्थ कार्ड बनाने की शुरुआत की गई है। यह अच्छी पहल है। इससे ग्रामीण क्षेत्र के गरीब लोगों को इलाज में काफी सहयोग मिलेगा। वहीं संस्था के समन्वयक शशिभूषण प्रसाद यादव के कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लक्ष्यों को पूरा करने के उद्देश्य व स्वस्थ बिहार के निर्माण को लेकर इसकी शुरुआत की गई है। इस कार्ड के बन जाने से लाभार्थी को संस्था द्वारा अनुबंधित निजी अस्पताल व जाँच घरों में इलाज व जाँच कराने पर चिकित्सीय शुल्क में छूट दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि राशनकार्डधारी इस कार्ड को बनवाने के पात्र होंगे।इसके लिए संस्था के कर्मी क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में जाकर कार्ड बनाने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर केसरिया बीडीओ मनीष कुमार सिंह, सीओ प्रवीण कुमार सिन्हा, संग्रामपुर बीडीओ अनुराग आदित्य, डॉ राजन कुमार, डॉ राकेश कुमार, डॉ आरके दूबे, देवालाल यादव, मंटू सिंह, रविशंकर सिंह, पंकज कुमार सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

जीएमसीएच में मीडियाकर्मियों के प्रवेश पर लगाई गई रोक

बेतिया। जीएमसीएच बेतिया में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अनियमिताओं पर पर्दा डालने के लिए अस्पताल अधीक्षक ने मीडियाकर्मियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस मामले में जिला प्रशासन की मौन स्वीकृति से इनकार नहीं किया जा सकता। अस्पताल अधीक्षक द्वारा इस संबंध में अस्पताल के गेट पर एक नोटिस भी लगा रखा गया है जिसमें जीएमसीएच में पत्रकारों के प्रवेश पर पूर्णतः बैन कर दिया गया है ।

अस्पताल में वे ही पत्रकार प्रवेश कर सकते हैं जो रजिस्टर्ड हैं और उन्हें पहले प्रभारी से परमिशन लेना होगा। इस संबंध में पूछे जाने पर अस्पताल अधीक्षक का कहना है कि मैंने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया। जब कोई पत्रकार अस्पताल में प्रवेश करने की कोशिश करता है तो उसे अस्पताल के सुरक्षा कर्मियों द्वारा धक्का देकर दुर्व्यवर करते हुए बाहर निकाल दिया जाता है ऐसा ही हुआ मंगलवार 10 अक्टूबर को जब सहारा समय के एक पत्रकार के साथ जब उन्हें धक्का देते हुए दुर्व्यवहार कर बाहर का रास्ता दिखा दिया गया ।

इसका कारण यह है कि 4/5 दिन पूर्व अस्पताल में पुरी तरह पानी सप्लाई बंद होने का एक मीडिया ने सामाचार चला दिया था जिस पर अस्पताल प्रबंधन की काफी फजीहत हुई। इस पूरे प्रकरण में जिला प्रशासन की चुप्पी साध लेना कई सवाल खड़ा करता है। ऐसे में क्या सोंचा जा सकता है कि बिहार फिर से 1974 की राह पर चल पड़ा है।

कोढ़ा गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

बेतिया।दुर्गा पूजा के अवसर पर अवसर पर अपराधी गतिविधियों को रोकथाम के लिए बेतिया पुलिस अधीक्षक अमरकेश डी के निर्देश पर चलाए जा रहे बाइक जांच के दौरान नगर पुलिस ने कोढ़ा गिरोह के दो सदस्यों को धर दबोचा और उनके पास से चोरी की एक मोटरसाइकिल व मास्टर चाबी बरामद किया। गिरफ्तार अपराधियों ने कालीबाग ओपी क्षेत्र नया बाजार चौक से एक दिन पूर्व मोटरसाइकिल की डिक्की तोड़कर उड़ाते गये 119000 रूपया की बात भी स्वीकार की है। कोड़ा गिरोह के गिरफ्तार अपराधियों में कटिहार जिला के कोढ़ा थाना का जोरबगंज निवासी संजू कुमार 20 वर्ष वर्ष पिता दारा यादव एवं सुमित कुमार 20 वर्ष पिता गणित यादव शामिल हैं।

पुलिस दल में नगर थाना के दरोगा ऋतुराज जयसवाल, नरेश कुमार, मुफस्सिल थाना के दुर्गेश कुमार एवं कालीबाग ओपी के राजन कुमार शामिल थे।

कटावरोधी कार्य में सरकारी राशि के बंदरबांट का ग्रामीणों ने लगाया आरोप

बीएनएम@केसरिया। कढान के वार्ड नौ में गंडक नदी में कटाव कम हुआ है। अब नदी की धारा का रुख सीधा होने के कारण तटवर्ती बसे लोगों ने राहत की सांस ली है। हालांकि नदी तट के दूसरी जगह कटाव होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। वहीं लोग अब भी सतर्कता बरते हुए हैं। इधर, ग्रामीणों ने कटावरोधी कार्य में घोर अनियमितता बरतने व सरकारी राशि के बंदरबांट का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का आरोप है कि घटिया किस्म की सामाग्री उपयोग कर कटावरोधी कार्य किया जा रहा है। ग्रामीण कैलाश राय, बच्चा राय, कमलेश राय, श्यामबाबू राय, हाकिम राय, देवेंद्र राय सहित अन्य ने बताया कि संवेदक द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। ब्रिक्सबैट में एक बोरा में तीन से चार ईंट का टुकड़ा रख कर डाला जा रहा है। इसे भी रात्रि में काट दिया जा रहा है ताकि पुनः उसे बनाकर सरकारी राशि का बंदरबांट किया जा सके। उक्त पंचायत के मुखिया मनोज यादव कार्य करा रही एजेंसी पर आरोप लगाते हुए कहा कि बचाव कार्य के नाम पर लूट किया जा रहा है। कई करोड़ खर्च कर करीब डेढ़ साल से इस पर कार्य किया जा रहा है। ताकि कटाव को रोका जा सके। लेकिन घटिया निर्माण के कारण कटावरोधी कार्य बेअसर साबित हुआ। उन्होंने बताया कि ब्रिकबैट में निम्न किस्म के ईंट का टुकड़ा डाला जा रहा है। जो पानी की तेज धार में टूट कर बह जा रहा है। ज्ञात हो कि विगत कई दिनों से नदी में तेज कटाव के कारण कढान पंचायत के वार्ड नौ के करीब दो सौ घर प्रभावित हुए हैं। मंगलवार को कटाव के कारण दो घर नदी में समाहित हो गए थे।

अभियान प्राचीन मंदिरों का करा जायेगा दर्शन, फाउंडेशन उठाएगी यात्रा व भोजन का खर्च

ब्रावो फाउंडेशन 1 नवंबर से शुरू करेगी चंपारण-कश्मीर सद्भावना यात्रा

श्रद्धालुओं को साथ में रखना होगा गर्म कपड़ा

सनातन संस्कृति के महत्व को बताना है उद्देश्य

बीएनएम@ मोतिहारी

ब्रावो फाउंडेशन अगामी 1 नवंबर से चंपारण-कश्मीर सद्भावना यात्रा शुरू करने जा रही है।पांच दिवसीय यात्रा के अंतर्गत श्रद्धालुओं को प्राचीन धार्मिक स्थल व मंदिरों का भ्रमण व दर्शन कराया जाएगा। इनमें शंकराचार्य मंदिर, खीर भवानी मंदिर, त्रेहगाम शिव मंदिर, मार्तंड सूर्य मंदिर व शारदापीठ-कोरीडोर शामिल हैं।

फाउंडेशन ने यात्रा में शामिल होने वालो की संख्या सौ निर्धारित की है। इसकी जानकारी देते ब्रावो फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक सह सीएमडी राकेश पांडेय ने देते हुए बताया है,कि सद्भावना यात्रा में शामिल होने को इच्छुक लोगो को बरियारपुर स्थित ब्रावो फाउंडेशन कार्यालय में रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। रजिस्ट्रेशन के बाद ही श्रद्धालु यात्रा में शामिल हो सकेंगे।

श्रद्धालुओं के खाने-पीने सहित यात्रा के सभी खर्च का वहन ब्रावो फाउंडेशन करेगी। हालांकि, कश्मीर में पड़ रही ठंड को देखते हुए यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को अपने साथ गर्म कपड़ा साथ लेकर चलना होगा।

उन्होने बताया कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को मंदिरों और सनातन संस्कृति से जोड़ना है। क्योंकि, मंदिर वह स्थान है जहां भक्त जन्म, मृत्यु, वृद्धावस्था, बीमारी सहित बाकी दुनिया के साथ उलझने की धारणा से मुक्त रहने की कोशिश करता है। बताया कि श्रद्धालु बापूधाम स्टेशन से दिल्ली जाएंगे। इसके बाद दिल्ली से श्रद्धालु श्रीनगर प्लेन से जाएंगे। यात्रा को लेकर फाउंडेशन की तैयारियां जोर-शोर की जा रही है।

आज तक होगा आग्नेयास्त्र का भौतिक सत्यापन

बीएनएम@केसरिया। विभागीय आदेश पर थाना परिसर में आग्नेयास्त्र का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। यह कार्य 12 अक्टूबर तक किया जाएगा। बुधवार को अंचलाधिकारी प्रवीण कुमार सिन्हा की मौजूदगी में क्षेत्र के करीब तीन दर्जन अनुज्ञप्तिधारियों ने अपने शस्त्र का भौतिक सत्यापन कराया। पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने बताया कि आगामी पर्व-त्योहार व विधि-व्यवस्था को देखते हुए शस्त्र का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। संबंधित अनुज्ञप्तिधारी निर्धारित समय तक अपने शस्त्र का सत्यापन करा लें।

सरकार लोकतंत्र का गला घोंट रही है: माले

जातीय गणना के आधार पर वंचित समुदाय के उत्थान के लिए नई योजनाएं एवम नीतियां बने

मोतिहारी। भाकपा माले जिला कमिटी की एक दिवसीय बैठक कल 10अक्टूबर 2023 को मोतिहारी प्रखंड के गम्हरिया गांव में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता जिला सचिव प्रभुदेव यादव ने की जबकि मुख्य अतिथि के बतौर पार्टी के केंद्रीय कमिटी सदस्य सह सिकटा विधायक कॉमरेड वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने भाग लिया।बैठक की शुरुआत हाल के दिनों में दिवंगत कॉमरेड बृजा प्रसाद, चनपटिया, कॉमरेड रामजतन चौधरी, आरा और महान कृषि वैज्ञानिक एम एन स्वामीनाथन को एक मिनट की मौन श्रद्धांजलि अर्पित करके हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए कॉमरेड वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा कि जैसे जैसे इंडिया गठबंधन की एकता बढ़ रही है वैसे वैसे भाजपा के अंदर बौखलाहट बढ़ रही है।पहले से ही विपक्ष के नेताओं की आवाज दबाने के लिए सरकारी जांच एजेंसियों और अन्य संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है और अब मीडिया की आवाज को दबाने के लिए न्यूज क्लिक से जुड़े पत्रकारों का दमन शुरू कर दिया गया है।जिस तरह से झूठे एवम मनगढ़ंत आरोप लगाए जा रहे हैं शायद ही दुनिया में कहीं ऐसा उदाहरण मिले।

झूठी कहानियां गढ़कर बदनाम किया जा रहा है और फिर एकबार किसान आंदोलन के खिलाफ भी गोदी मीडिया द्वारा झूठ प्रचार संगठित किया जा रहा है। जिस किसान आंदोलन के सामने मोदी सरकार को झुकना पड़ा था।और करीब साढ़े सात सौ किसानों ने 13 महीना चले आंदोलन में शहादत देकर मोदी सरकार के घमंड को चकनाचूर कर दिया था।2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी संभावित हार को देखकर मोदी सरकार देश में अघोषित इमरजेंसी लगाकर लोकतंत्र की हत्या कर रही है।जिसे देश की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी।

तिरहुत प्रमंडल आयुक्त ने की राष्ट्रपति के आगमन के पूर्व तैयारी की समीक्षा

मोतिहारी। तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त ने बुधवार को राष्ट्रपति के आगमन को लेकर चल रही तैयारी की समीक्षा किया।

इस दौरान उन्होने संबंधित पदाधिकारियों एवं महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्धारा बनाये तैयारी समिति के सदस्यो के साथ गणों राजा बाजार स्थित प्रेक्षागृह में बैठक भी किया।इस अवसर पर उन्होने विधि व्यवस्था के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने,यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने,साफ सफाई ,बैरिकेडिंग, हेलीपैड, वाहन पार्किंग, ग्रीन रूम, कार्केट , सिटिंग अरेंजमेंट, सेफ हाउस, एंबुलेंस, अग्निशमन, पुलिस ,दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति आदि की व्यवस्था सुदृढ़ रखने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।उन्होंने निर्देश देते हुए कहा केंद्रीय

विश्वविद्यालय के आयोजक मंडल एवं जिला प्रशासन आपस में समन्वय स्थापित कर महामहिम राष्ट्रपति के कार्यक्रम को सफल बनाना सुनिश्चित करेंगे।इस अवसर पर जिलाधिकारी,उप विकास आयुक्त,अपर समाहर्ता, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपनीय शाखा, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, नगर आयुक्त, जिला परिवहन पदाधिकारी, सिविल सर्जन सहित संबंधित पदाधिकारी गण, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के पदाधिकारी एवं कमिटी के सदस्य गण उपस्थित थे।

अंगदान के लिए जागरुक करने की जरूरत: कुलपति

केविवि परिसर में सेहत केंद्र द्वारा अंगदान जागरुकता शिविर का आयोजन

अंगदान से अंगों की कमी से होने वाली मौतें हो जाएगी कम: जसपाल सिंह

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विवि के चाणक्य परिसर में सेहत केन्द्र द्धारा बुधवार को अंगदान जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता विवि के कुलपति संजय श्रीवास्तव ने की,जबकि संचालन डिपार्टमेंट ऑफ मेनेजमेंट साइंस पाठ्यक्रम की रिसर्च स्कॉलर एश्वर्या सिंह ने किया।

शिविर को संबोधित करते हुए कुलपति ने अंगदान को महादान बताते हुए कहा कि अंगदान के लिए लोगो को जागरुक बनाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है। कुलपति ने कहा जितने अधिक संभावित दाता होंगे, जीवन बचाने के लिए अंगों के उपलब्ध होने की संभावना उतनी ही अधिक होगी।इस अवसर पर सोटो,आईजीआईएमएस, पटना से ट्रांसप्लांट कॉर्डिनेटर जसपाल सिंह ने शिविर में मौजूद विद्यार्थियों को अंगदान से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी।

उन्होंने कहा कि अगर शत प्रतिशत अंगदान किया जाए, तो अंग की कमी से होने वाली मौतों पर काबू पाया जा सकता है। अंग अमूल्य है। इसलिए अंग दान कर दुनिया से जाने के बाद भी दुनिया में रहकर आप मिशाल कायम कर सकते हैं। आप अंगदान के प्रति जागरुकता फैलाएं। अपने कार्यालय, कॉलेज, स्कूल, क्लब आदि जगहों पर लोगों को जागरूक करें। अपने मित्र, सहकर्मी एवं रिश्तेदारों अंगदान के बारे में बताएं।

वही सेहत केंद्र के समन्वयक प्रो. पवनेश कुमार ने कहा कि जब आप अपने शरीर के किसी अंग को दान करते हैं, तो प्राप्तकर्ता को लंबे समय तक जीवित रहने में मदद मिलती है। ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन किसी भी व्यक्ति के जीवन को बचा सकता है। इस मौके पर अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन संस्कृत डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रो. बबलु पाल ने किया। मौके पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण के जयंती पर दी गई श्रद्धांजलि

मोतिहारी

देश के महान स्वतंत्रता सेनानी भारत रत्न सम्पूर्ण क्रांति के प्रणेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण के जयंती पर जे पी चौंक (चाँदमारी चौक) पर लोकनायक के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जे पी लोकतंत्र सेनानी संगठन पूर्वी चम्पारन के द्वारा जिला अध्यक्ष राय सुन्दर देव शर्मा के अध्यक्षता में लोकनायक को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया श्रद्धांजलि देने वालों में विनय कुमार वर्मा, कुमार शिवशंकर, राजिव शंकर वर्मा, अब्दुल हमिद कैप्टेन, अजय कुमार आजाद, डॉ रविन्द्र नाथ सिंह, जयनारायन कुशवाहा, उप महापौर नगर निगम लालबाबू प्रसाद, शिवचन्द्र दूबे आदि जे पी सेनानियों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

शिकायतों का ससमय निस्तारण करें: जिलाधिकारी

बेतिया। सिकटा ब्लॉक के धनकुटवा तथा मैनाटांड़ ब्लॉक के इनरवा पंचायत में आज जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय एवं डी० अमरकेश, पुलिस अधीक्षक, बेतिया द्वारा जन संवाद कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया गया। जन संवाद कार्यक्रम में जिलास्तरीय पदाधिकारियों द्वारा अपने अपने कार्यालय/विभाग द्वारा संचालित योजनाओं/कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी उपस्थित ग्रामीणों को दी गयी। इसके उपरांत ग्रामीणों के सुझाव एवं प्रतिक्रिया भी लिए गए।

जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने ग्रामीणों से कहा कि यह अत्यंत ही अपार हर्ष का विषय है कि जिला प्रशासन को आप सबों के बीच आने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। मैनें अपने पदस्थापन के बाद से लगातार क्षेत्रों का भ्रमण प्रारम्भ कर दिया था एवं आम जन से मिलना जुलना मेरे दैनिक दिनचर्या में शामिल है। शुक्रवार को जनता दरबार लगाता हूँ और उस दिन दूर-दराज से आए लोगों के साथ मिलकर

उनकी बातों को सुनता हूं और यथासंभव निराकरण का प्रयास करता हूँ। फिर भी कई लोग वंचित रह जाते हैं। इसके निवारण हेतु एक प्रयास के रूप में सभी प्रखंडों में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। म

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा जिले के सर्वांगिण विकास की दिशा में कार्य किया जा रहा है। बिहार एक मात्र राज्य है, जहां प्रत्येक कार्य के लिए एक योजना है। विगत वर्षों में राज्य सरकार के द्वारा गांव को प्रखंड से और प्रखंड को जिला से सीधे जोड़ने के लिए गुणवत्तापूर्ण सड़कों का निर्माण कार्य कराया गया है। यही नहीं प्रत्येक वर्ग के लोगों को गरिमामयी जीवन के लिए पेयजल निश्चय योजना लागू कराया गया है, जो सभी पंचायतों/वार्डों में लागू है। इतना ही नहीं राज्य सरकार के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में भी ध्यान दिया गया है। विगत दिनों काफी संख्या में शिक्षकों की बहाली हुई है, जो अनवरत अभी भी जारी है। याद करिए वह समय जब विद्यालयों को अपना छत नहीं था। राज्य सरकार के निदेश के आलोक में हमने भूमिहीन विद्यालयों के लिए त्वरित गति से भूमि उपलब्ध कराने का कार्य किया है। राज्य सरकार के द्वारा महिला उत्थान पर भी काफी कार्य किया गया है। त्रि-स्तरीय पंचायत हो या नौकरी, सभी में महिलाओं के लिए सीट रिजर्व कर दिया गया है। पश्चिम चम्पारण क्षेत्र कृषि प्रधान क्षेत्र है। यहां की आबादी की आजीविका कृषि पर ही निर्भर है।

BORDER NEWS MIRROR

Editorial

Thursday 12 October 2023

लोकभाषा में कोर्ट कार्य कब !

कोर्ट में जजों को कैसे संबोधित किया जाए ? अरसे से इस पर वाद-विवाद चलता रहा। न्यायमूर्ति कैसे उच्चरित हों ? गत सप्ताह भारत के प्रधान न्यायाधीश धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ ने सर्वोच्च न्यायालय में अनुरोध किया कि बजाय 'लॉर्डशिप' के केवल 'सर' (महोदय) कहा जाए। यूं यह शब्द 'लॉर्ड' हिन्दी में भगवान अथवा स्वामी के लिए उपयोग होता है। सामंत युग से प्रचलित है। मगर 'सर' के प्रयोग से एक आभासी खतरा तो है ही। कहावत भी है अति अतिपरिचयात् अवज्ञा। अंग्रेजी में कहते हैं- Familiarity breeds contempt तो आशंका है कि 'सर' संबोधन से कहीं जज के पद का क्रमशः अवमूल्यन न हो जाए। अर्थात सियासत तथा अदालत में सम्माननीय फासला बना रहे। 'लॉर्ड' और 'सर' में प्रभाव का अनुपात शंकाग्रस्त है। मसलन शिक्षा संस्थानों में 'सर' के मायने हैं- 'मास्टरजी'। बड़ा देसी संबोधन है। अपकर्ष सा प्रतीत होता है। यूं लार्ड शब्द की उत्पत्ति सोलहवीं सदी की है। तब दुनिया के ज्यादातर राजा निरंकुश और अहंकारी होते थे। उन्होंने अपने सम्मान के लिए कई अन्य शब्दों का उपयोग करवाया, ताकि वह दुनिया में सबसे अलग पहचाने जाएं। कुछ राजाओं के लिए तो इस प्रकार के शब्दों का उपयोग किया गया जो राजा को भगवान प्रदर्शित करते थे। 'माय लॉर्ड' भी एक ऐसा ही शब्द है। क्रमशः न्यायतंत्र में यह प्रवेश कर गया। स्वीकार्य हुआ। प्रचलित भी। 'लॉर्ड' संबोधन अंग्रेजी भाषा में औपनिवेशिक काल का अवशेष है। घालमेल बढ़ गया जब महिला जज को 'माई लेडी' कहा जाने लगा। भारत में 1955 में हाई कोर्ट में जब केरल की श्रीमती अन्ना चांडी प्रथम महिला जज नामित हुई थीं तो यही प्रश्न उठा था। भारतीय बार काउंसिल ने तब (2006 में) अपनी नियमावली में धारा 49, उपधारा (1) में 'जे' जोड़ा था, ताकि 'यूवर लेडीशिप' कहा जाए। मगर सवाल उठा कि महिला न्यायाधीश को कैसे संबोधित किया जाए ? जज या योर ऑनर ? उन्हें मैम कहकर संबोधित करें।

अर्थव्यवस्था पर विश्वास का प्रतीक हैं नए डीमैट अकाउंट

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

शेयर बाजार में जिस तेजी से नए डीमैट अकाउंट खुल रहे हैं, वह स्पष्ट रुप से लोगों के विश्वास का ही परिणाम है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के प्रति लोगों के विश्वास को आमजन के वित्तीय निवेश को लेकर देखा जा सकता है। देश के शेयर बाजार में लगातार इस मायने में बूम देखा जा रहा है। चालू कलैंडर वर्ष के हर महीने लाखों नए डीमैट खाते खुल रहे हैं। इसी कलैंडर वर्ष की बात की जाए तो जनवरी से अब तक दो करोड़ से अधिक नए डीमैट खाते खुले हैं। अकेले सितंबर में करीब 30 लाख 60 हजार नए डीमैट खाते अस्तित्व में आए हैं। इससे पहले अगस्त में इस साल के सर्वाधिक 31 लाख नए खाते खुले। इसी तरह से गए महीने 10 आईपीओ बाजार में आए हैं और इनमें निवेशकों ने दिल खोलकर पैसा लगाया है। इन 14 आईपीओ के माध्यम से कंपनियों ने 11868 करोड़ रुपये जुटाये हैं। यदि देखा जाए तो दिसबंर 2010 के बाद सबसे अधिक आईपीओ बाजार में आये हैं। समग्र रुप से देखा जाए तो इस साल जनवरी से सितंबर तक 34 आईपीओ के माध्यम से कंपनियों ने निवेशकों से 26913 करोड़ रुपये जुटाए हैं। सभी आईपीओ ओवर सब्सक्राइब रहे हैं। यह सब तो तब है तब है जब आज दुनिया के देश आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे हैं। पर यह साफ हो जाता है कि शेयर बाजार में लगातार नए खाते खुलना और आईपीओ को अच्छा समर्थन मिलना इस बात का संकेत है कि देश की अर्थ व्यवस्था को लेकर लोगों में किसी तरह का नकारात्मक विचार नहीं है। बल्कि यह कहा जाना उचित होगा कि लोगों का देश की अर्थव्यवस्था व देश के आर्थिक हालातों के प्रति विश्वास कायम है।दरअसल कोरोना के बाद जिस तरह के हालात हुए और देश-दुनिया की आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई उससे लोगों में अर्थव्यवस्था को लेकर अनेक आशंकाएं हुई और इसमें भी कोई दोराय नहीं कि दुनिया के अधिकांश देश आर्थिक संकट के दौर से गुजरे और आज भी गुजर रहे हैं। कोढ़ में खाज का काम पिछले लंबे समय से चल रहे रुस-यूक्रेन युद्ध ने किया। अब इजराइल और हमास के ताजा हमलों से नया संकट सामने आ गया है। इससे सबके साथ ही दुनिया के अधिकांश देशों में हालात अच्छे नहीं चल रहे हैं। चीन की नीतियों से दुनिया के देश त्रस्त है सो अलग। इसके अलावा आंतकवादी घटनाएं, जलवायु परिवर्तन के कारण आये दिन आने वाले तूफानों, अनावृष्टि, अतिवृष्टि, मौसम की बेरुखी आदि को किसी भी हालात में सब कुछ ठीक नहीं माना जा सकता है। इन सब हालातों के बीच देश की अर्थव्यवस्था के प्रति लोगों के रुख को दो दृष्टि से समझना होगा। एक ओर बैंकों में बचत की भावना में गिरावट दर्ज हो रही है। एक समय था जब हमारी परंपरा में बचत को खास महत्व दिया जाता था आज हालात ठीक विपरीत है। बचत की तुलना में वित्तदायी संस्थाओं से कर्ज लेने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। दूसरी ओर शेयर बाजार जिसे हमेशा से अस्थिर समझा जाता रहा है और जो राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सर्वाधिक जोखिम भरा निवेश माना जाता रहा है, आज देश का मध्यम वर्ग खासतौर से युवा पीढ़ी जोखिम भरे शेयर बाजार में बेहिचक निवेश करने को आगे आ रही है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Today's Opinion

जातिगत जनगणना का मतलब वोट के लिए समाज को तोड़ने की साजिश

श्याम जाजू

अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव से ठीक पहले बिहार में जातिगत जनगणना के नतीजे जारी किए गए हैं। यह 17 साल से सत्ता पर काबिज नीतीश कुमार की मंशा पर सवाल उठाते हैं। बिहार जैसे प्रदेश में जहां पहले लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और फिर नीतीश कुमार के नेतृत्व में कुल 32 वर्षों से पिछड़ों का ही राज हो, वहां आज भी पिछड़ों के पिछड़ा रह जाने का राग अलापा जाए तो सवाल खड़े ही होंगे। जाहिर है इतने वर्ष चुप रहने के बाद चुनावी फायदे की चाह में करवाई गई जाति जनगणना एक राजनीतिक षड्यंत्र और प्रपंच ही है। वैसे भी बिहार में व्यग्तिगत राजनीतिक स्वार्थों के लिए की गई ये प्रक्रिया संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन है, क्योंकि 1948 के जनगणना कानून में जातिगत जनगणना करवाने का कोई प्रावधान ही नहीं है। जनगणना का विषय संविधान की सातवीं अनुसूची की पहली सूची में आता है और इसलिए इस तरह की जनगणना को कराने का अधिकार केवल केंद्र सरकार को है। इसलिए बिहार सरकार द्वारा की गई जाति जनगणना न केवल असंवैधानिक है, बल्कि देश को राजनीतिक लाभ के लिए बांटने और तोड़ने की एक कुत्सित साजिश है। दरअसल इन जातीय गणना करवाने वालों का समाज की बेहतरी से कोई लेना देना नहीं है। इनके द्वारा जातिगत गणना को ऐसे अंतिम दांव के रुप में देखा जा सकता है जो लोगों को कुशासन, बेरोजगारी, बिगड़ती कानून व्यवस्था के मुद्दों से भटका कर और जातियों में बांटकर उलझाना चाहता है, जिससे समाज बंट जाए और बंटे हुए वोट शायद इनकी चुनावी नैया पार लगा दें। नीतीश कुमार और लालू यादव हमेशा की तरह ही जाति में आग लगाकर अपनी रोटी सेंक कर सत्ता में बने रहना चाहते हैं। देश, समाज और गरीबों के हालात से न इन्हें कभी सरोकार रहा है, न कभी रहने वाला है। जातीय जनगणना के समर्थक नेता कह रहे हैं कि जातियों की गणना से लोगों की स्थिति सुधरेगी। पर गरीबों का आंकड़ा तो सरकार के पास पहले से ही है। बिहार के कितने लोग गरीब और पिछड़े हैं, इसकी पूरी जानकारी शासन के पास है। तो क्यों नहीं सुधार किया अब तक? चाहे दलित हों, पिछड़े हों या मुसलमान हों, नीतीश कुमार और लालू-राबड़ी सरकार में उनकी हालत बद से बदतर ही हुई है। दरअसल, इनका दलित व पिछड़ा प्रेम सिर्फ जबानी जमा-खर्च है और कुछ नहीं। चाहे लालू यादव या नीतीश कुमार हों या कांग्रेस या स्व मुलायम सिंह यादव, इन्होंने हमेशा गरीबों का इस्तेमाल ही किया है। कभी जाति, कभी मजहब, कभी संप्रदाय के धागों में उलझा कर इन नेताओं ने उन्हें एक ऐसा वोट का एटीएम समझा है जिसमे कुछ बटन दबा कर जब चाहे अपने पाले में वोट डलवा लो। सच तो यह है कि इस बात का कोई ठोस आधार नहीं है कि सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की रफ्तार जाति और वर्ग-भेद के कारण थमी हुई है और जाति के खांचे में बटते ही सर्वव्यापी सुधार होने लगेगा। जाति जनगणना के बाद गरीब की स्थित में प्रभावी परिवर्तन आ जाएगा, इसका भी कोई प्रामाणिक आधार नहीं है। वैसे भी आज के जमाने में आरक्षण सहित हर क्षेत्र में बिना बाधा समान अवसर उपलब्ध हैं तो जातिगणना से कैसे कुछ नया हो जाएगा? जाति जनगणना के समर्थकों का यह तर्क कि इससे विभिन्न जातियों के मध्य व्याप्त विसंगतियों को समाप्त करने में सहायता मिलेगी भी संदेहास्पद है, क्योंकि यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि समाज में सब से अधिक विसंगतियां जाति-आधारित विभाजन से ही आई हैं और अगर मान भी लीजिए कि जातिगत जनगणना से यह पता चल भी जाता है कि फलां जाति संख्या में कम या ज्यादा है तो इससे सरकार की लोककल्याणकारी नीतियों को कैसे बदला जाएगा? इसके उलट, जातीय विभाजन लोक-विमर्श के केंद्र में आने से वास्तविक उपेक्षा की मार झेल रहे वर्गों के चिह्नित होने और प्रताड़ित होने की सम्भावना बढ़ जाएगी।

(लेखक, भारतीय जनता पार्टी के निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब और हो सकता है खतरनाक?

संजीव ठाकुर

विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं.खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं।

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज़ पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है।अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई , सऊदीअरबिया, कतर, मिस्र ,जॉर्डन,मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।

इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं।

विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं.खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं।

खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकें। यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई है।

यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैं। दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता है।

राइट एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें मानवीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपो गेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है। हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

स्तंभकार, चिंतक, लेखक, रायपुर

शिक्षा देने के साथ बच्चों को जीने की कला भी सिखाएं

अशोक मधुप

आज हमारा ध्यान बच्चों की शिक्षा पर है। उन्हें योग्य बनाने पर है।योग्य भी इतना की 100 में 95 अंक पाना भी स्वीकार नहीं। पेपर के निर्धारित पूरे अंक चाहिए। इन सबके बीच हम बच्चों के समग्र विकास पर ध्यान नही दे पा रहे। बच्चों की शिक्षा पर माता पिता का ध्यान ज्यादा है। बच्चों के शारीरिक विकास पर नहीं। बच्चों के मानसिक विकास पर नहीं,जबकि जरूरी है कि बच्चों को जीवन जीना सिखाया जाए।

विपरीत समय में कैसे बचे, सुरक्षित रहे, या कोई नही बता रहा जबकि बहुत जरूरत है सभी बच्चों को जीवन जीना सीखने की कला सिखाई जाए।उन्हें प्रत्येक विपरीत परिस्थिति के लिए तैयार किया जाए। उन्हें बताया जाए कि किसी आपदा या संकट में फंस जाएं तो उससे कैसे बचे।

कोलंबिया के अमेजन के जंगल में मई में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना में लापता हुए चार बच्चे घटना के 40दिन बात जीवित मिले। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने यह घोषणा की। राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने शुक्रवार देर रात ट्विटर पर कहा, पूरे देश के लिए खुशी की बात है !कोलंबिया के जंगल में 40 दिन पहले लापता हुए चारों बच्चे जिंदा मिल गए हैं।

उन्होंने सैन्य और स्वदेशी समुदाय के कई सदस्यों की एक तस्वीर भी साझा की, जो भाई-बहनों लेस्ली जैकबॉम्बेयर मुकुतुय (13), सोलेनी जैकबॉम्बेयर मुकुतुय (9), टीएन रानोक मुकुतुय (4) और क्रिस्टिन रानोक मुकुतुय (1) की थी।एक बयान में राष्ट्रपति ने इसे मैजिकल डे करार दिया, और कहा ये अकेले थे, उन्होंने जीवन संघर्ष का ऐसा उदाहरण पेश किया, जो इतिहास में बना रहेगा।गौरतलब है कि एक मई को, सेसना 206 लाइट एयरक्राफ्ट अमेजॅनस प्रांत में अरराकुआरा और ग्वावियारे के एक शहर सैन जोस डेल ग्वावियारे के बीच उड़ान भरने के दौरान गायब हो गया। दुर्घटना के बाद से खोजी कुत्तों के साथ 100 से अधिक सैनिकों को खोज और बचाव कार्यों में लगाया गया है।पिछले महीने विमान का मलबा और पायलट तथा दो वयस्कों के शव मिले थे। उड़ान के शुरुआती घंटों में ही पायलट ने इंजन के फेल होने की सूचना दी और आपातकालीन अलर्ट जारी किया। इसके बाद विमान घने जंगल में जाकर क्रैश हो गया। दुर्घटना के परिणामस्वरूप पायलट और बच्चों की मां मागदालेना मुकुटुय सहित तीन वयस्कों की मौत हो गई और उनके शव विमान के अंदर पाए गए। जबकि 13, नौ, चार साल और बारह महीने के चारों बच्चे 40 दिन बाद जीवित पाए गए।

कोलंबिया के राष्ट्रपति ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मुझे उन्हें देख कर बेहद खुशी हुई क्योंकि बच्चों ने जंगल के बीच में अकेले अपना बचाव किया था। रेस्क्यू टीम को बच्चों के पास से कुछ फल मिले हैं। बता दें कि चारों बच्चे आपस में भाइ बहन है। इन बच्चों ने खुद के लिए झाड़ियों का छोटा एक घर भी बना लिया था। इस घर में ये चारों एक साथ पाये गए। खुद को जीवित रखने के लिए इन बच्चों ने 40 दिन तक घने जंगल में पेड़ों से फल तोड़कर खाए।सर्च डाग ने इनके गिरे फल से ही इनका पता लगाया।हालाकि चालिस दिन में ये बच्चे बहुत कमजोर हो गए थे। इन बच्चों के दादा फिडेंशियो वैलेंशिया ने बताया कि दुनिया में कभी कोई बच्चा इतने मुश्किल हालात में जिंदा रहना जानता है तो वह वह मुकुतुय परिवार का हो सकता है। इन चारों में दो बड़े बच्चे लेस्ली और सोलेनी जंगल में जिंदा रहने वाली कला से बखूबी वाकिफ थे। उन्होंने बताया हुई तोतो कबीले के सदस्य बहुत कम उम्र में ही शिकार करना,मछली पकड़ना और खाने पीने का सामान जमा करना सीखने लगते हैं।

कोलंबिया के मीडिया से बात करते हुए इन बच्चों की चाची दमारिस मुकुतुय ने बताया उनके परिवार के बच्चे जब बड़े हो रहे होते हैं, तो वे खानदान के दूसरे लोगों के साथ जिंदा रहने का खेल खेलते हैं। उन्होंने अपना बचपन याद करते हुए कहा कि जब हम सब बचपन में खेल खेलते थे तो हम छोटे-छोटे तंबू बनाया करते थे। उन्होंने बताया कि 13 साल की लेस्ली को पता था कि कौन से फल नहीं खाने हैं क्योंकि जंगल में बहुत से फल जहरीले मिलते हैं। लेस्ली को छोटे बच्चे का ख्याल रखना भी अच्छी तरह आता था. दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे से लेस्ली ने फैरून नाम का एक तरह का आटा भी खोज निकाला. जब तक यह आटा रहा तब तक यह बच्चे इसी पर गुजर करते रहे. बच्चों की तलाशी अभियान में हिस्सा लेने वाले हुई तूतो समुदाय के बुजुर्ग एडमिन पाखी ने बताया कि आटा खत्म होने के बाद चारों बच्चे जंगली फल के बीज खाने लगे. इन्हीं बचे मिले फल से बच्चों की खोज हुई।

बच्चों के दादा कहते हैं कि मुकुतुय परिवार के बच्चों को बचपन से ही विपरीत परिस्थिति में जंगल में आदमी के जीने की कला सिखाई जाती है। कोलंबिया में मुकुतुय परिवार को यह कला सिखाई जाती है किंतु हिंदुस्तान में तो प्रायः सरकारी स्कूल के कक्षा तीन से लेकर कक्षा आठ तक सारे बच्चे ये कला सीखते हैं। ये शिक्षा है स्काउट की। इसमें स्काउट (लड़के)/ गाइड (लडकियों) को बताया जाता है कि जंगल में फंसने पर पेड़ पौधों की छाल से कैसे रोटी बनानी है। तवा ना होने पर भी पत्थर पर कैसे रोटी को सेकनी है। बिना माचिस कैसे आग जलानी है। वन में रास्ते पर चलते निशान लगाते चलना है कि पीछे आने वाले को सुविधा रहे। बिछड़े साथियों की टीम के लिए किस तरह का इशारा करना है। जंगल में जरूरत पर रस्सी से कैसे पुल तैयार करना है। मुसीबत में फंसे साथी की कैसे मदद करनी है।एक वाक्य में इन्हें जिम्मेदार और आदर्श नागरिक बनना सिखाया जाता है। स्काउट/गाइड आंदोलन का उद्देश्य युवाओं के शारिरिक, बौद्धिक, समाजिक, भावात्मक और आध्यात्मिक विकास में मदद कर उन्हें स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए एक जिम्मेदार नागरिक बनाना है।

किंतु जब से प्राइवेट क्षेत्र में शिक्षा का चलन बढ़ा तब से यह सब खत्म हो गया। सीबीएसई/आइसीएसई शिक्षा में नंबर ज्यादा आने से बच्चों के अभिभावकों का बच्चों से ज्यादा उनकी पढ़ाई पर ध्यान रहने लगा। उनका दबाव रहता है कि बच्चे ज्यादा से ज्यादा नंबर लाएं। इसीलिए स्कूल के बाद ट्यूशन पढ़ने का चलन जोर पकड़ गया। आज की प्राइवेट शिक्षा में छोटी क्लास से लेकर इंटर तक का बच्चा पढ़ाई की मशीन बनकर रह गया। स्कूल में आठ घंटे लगाने के बाद बच्चों को सभी सब्जेक्ट की ट्यूशन पढ़ने हैं। चार सब्जेक्ट की ट्यूशन के लिए चार घंटे चाहिए। एक टयूशन से दूसरे टयूशन तक जाने के लिए बच्चों को लगभग तीन से चार घंटे लगते हैं। इस तरह से आज के बच्चे और किशोर 15 से 16 घंटे पढ़ाई के लिए तैयार होने और पढ़ाई पर लगते हैं। इसके बाद भी मां-बाप का दबाव रहता है कि स्कूल और टयूशन का होमवर्क करना है। इतना सब होने के बाद बच्चे और किशोर को खेलने के लिए और अपने व्यक्तिगत विकास के लिए समय नहीं मिलता। आज के मां-बाप का इस बच्चे के व्यक्तिगत विकास पर उनका ध्यान नहीं उनका जितना जोर बच्चों की पढ़ाई पर है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संजय 'तल्ख़'

ग़ज़ल

पुरखौफ़ कमसिनी का मज़ा हम से पूछिये
उस्ताद की छड़ी का मज़ा हम से पूछिये।।

शाइर भी बन गये हैं बने फ़लसफ़ी भी हम
बर्बाद ज़िंदगी का मज़ा हमसे पूछिये ।।

होता नहीं है इस में ज़माने का डर कोई
बेगम से आशिक़ी का मज़ा हम से पूछिये।।

मानो न मानो मय की ये लज़्ज़त बढ़ाएगी
शिद्दत की तिश्नगी का मज़ा हम से पूछिये।।

अपने ग़मों की सोच के हम ख़ुद ही हँस पड़े
हल्की सी बे-ख़ुदी का मज़ा हम से पूछिये ।।

मंदिर में सुब्ह शाम की ड्यूटी से बच गए
यानी कि क़ाफ़िरी का मज़ा हम से पूछिये।।

इस इब्तिदा-ए-इश्क़ से पहले के दौर में
अंदाज़-ए-बरहमी का मज़ा हम से पूछिये।।

पाबंदियाँ अरूज़ की चूल्हे में डाल कर
बे-बहर शाइरी का मज़ा हम से पूछिये ।।

आँसू हमारे साफ़ न दिख पाएँ 'तल्ख़' को
धुंधली सी रौशनी का मज़ा हम से पूछिये।।

अशरफ याकूबी

ग़ज़ल

लब चुप हुए तो दीद-ए-तर बोलने लगे,
गूंगे थे जितने ज़ख़्मे जिगर बोलने लगे।

हम भी ज़बां संभाल करते हैं गुफ्तगू,
जब से हमारे नूरे नज़र बोलने लगें।

ऐसा बनाओ बहुत के ज़माने के सामने,
आज़र तुम्हारा दस्ते हुनर बोलने लगे।

पहले खिलाफे जुल्म तो वो बोलते न थे,
क्यूं आज हो के सीना सिपर बोलने लगे।

कुछ ऐसा एहतमाम किया जाए जश्न का,
दीवार बोलने लगे दर बोलने लगें।

क्या मसलेहत पसंदी उन्हें रास आ गई,
रख कर किसी के पांव पे सर बोलने लगे।

अशरफ तुम्हारी शायरी का यह कमाल है,
लफ़्ज़ों के सारे ज़ेरो ज़बर बोलने लगे।

इन चीजों का इस्तेमाल आज ही करें बाहर

खाना न सिर्फ हमारे शरीर के लिए जरूरी है बल्कि यह हमारे पूर्ण विकास में भी एक अहम भूमिका निभाता है।

अक्सर ऐसा कहा जाता है कि घर की बनी खाने की चीजें बाहर के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित और अच्छी रहती है। यही वजह है कि ज्यादातर लोग घर का बना साफ और स्वस्थ खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं आपके किचन में मौजूद कुछ चीजें, जिनका आप खाने में भी इस्तेमाल करते हैं, आपके लिए जहर का काम करती हैं। खाने में उपयोग की जाने वाली ये चीजें आपके लिए किसी स्लो प्वाइजन से कम नहीं हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि आप इनके बारे में जानकर इसका कम से कम इस्तेमाल करना शुरू कर दें।

चीनी

चाय-कॉफी और लगभग हर मीठे व्यंजन में इस्तेमाल की जाने वाली चीनी यानी शक्कर आपकी सेहत के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदेय है। चीनी के अधिक सेवन से आपको ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, वजन बढ़ना और फैटी लीवर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इतना नहीं शक्कर ज्यादा खाने से हृदय रोग का खतरा भी बढ़ जाता है।

मैदा

मैदा हमेशा से ही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक रहा है। हालांकि, मैदा आटे से ही बनता है, लेकिन मैदा बनाने की प्रक्रिया के दौरान इसमें मौजूद कई सारे फाइबर्स और विटामिन्स अलग हो जाते हैं, जो इसे हानिकारक बना देता है। डॉक्टर्स की मानें तो मैदा और उससे बनी चीजों के अधिक सेवन से मोटापा, हृदय रोग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही मैदा पचने में भी काफी मुश्किल होता है, जिसकी वजह से यह धीरे-धीरे फैट्स बढ़ा देता है।

नमक

अधिक मात्रा में नमक का सेवन भी सेहत के लिए काफी हानिकारक माना गया है। खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले नमक की अधिकता कई गंभीर समस्याओं की वजह बन सकती है। ज्यादा नमक खाने से ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट प्रॉब्लम, स्ट्रोक, मोटापा और लिवर से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा नमक खाने से मौत का खतरा 28 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

ज्यादा नमक खाने से ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट प्रॉब्लम, स्ट्रोक, मोटापा और लिवर से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा नमक खाने से मौत का खतरा 28 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

फ्रोजन फूड

अगर आप भी खाने में फ्रोजन फूड का काफी इस्तेमाल करते हैं, तो अब सर्तक होने का समय आ गया है। दरअसल, फ्रोजन फूड सेहत के लिए काफी हानिकारक होता है। दरअसल, ऐसे खाद्य पदार्थों में कई सारे आर्टिफिशियल कलर्स और प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जाते हैं। इसकी वजह से हार्ट अटैक और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की संभावनाएं बनी रहती हैं।

वनस्पति घी

वनस्पति घी हमेशा से ही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना गया है। इसमें ट्रांस फैट होता है, जिसके लगातार इस्तेमाल से मोटापा बढ़ जाता है। इतना ही नहीं वनस्पति घी का ज्यादा उपयोग करने से दिल की बीमारियां और ब्रेन स्टोक्स का खतरा भी बढ़ जाता है।

15 बीमारियों का एक इलाज सूर्य मुद्रा

शरीर को दुरुस्त रखने के लिए कई तरह की मुद्राएं हैं जिनके विभिन्न लाभ हैं। ऐसी ही एक मुद्रा है सूर्य मुद्रा जोकि एक संस्कृत शब्द है। जहां सूर्य का अर्थ है 'सूर्य' और मुद्रा का अर्थ है 'इशारा'। सूर्य मुद्रा एक हाथ की मुद्रा है जो अग्नि तत्व का विस्तार करती है और शरीर से पृथ्वी तत्व को समाप्त करती है। इसे 'अग्नि मुद्रा' के रूप में भी जाना जाता है।

सूर्य मुद्रा दोनों अनामिका अंगुलियों को मोड़कर और उनके सिरों को अंगूठे के आधार पर रखकर की जाती है। जब अंगूठे का अनामिका के शीर्ष पर हल्का दबाव पड़ता है, तो यह अग्नि तत्व द्वारा पृथ्वी तत्व के उन्मूलन का संकेत देता है। इस मुद्रा को करने से आपको कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। आयुर्वेद डॉक्टर दीक्षा भावसार आपको इसके लाभ बता रही हैं।

सूर्य मुद्रा के फायदे

इस मुद्रा को करने से वजन घटाने, डायबिटीज कंट्रोल करने, थायराइड के कामकाज को बेहतर बनाने, चयापचय, कब्ज, पीसीओएस, खांसी और सर्दी, सूजन और गैसट्रिक से जुड़ी समस्याओं से निपटने में मदद मिलती है। यानी वात और कफ के कारण होने वाली प्रमुख बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए यह सबसे अच्छा है। इस मुद्रा को करने से आपके फोकस, आत्मविश्वास और मानसिक स्थिरता में भी सुधार होता है। साथ ही इससे चिंता और अवसाद कम होता है।

सूर्य मुद्रा कैसे करें– पहला चरण

सबसे पहले आरामदायक स्थिति में बैठें [redacted] र्श पर बैठने की बजाय चटाई पर बैठना पसंद करें। अपने हाथों को अपनी जांघों या घुटने पर रखें। हथेलियों को ऊपर की ओर, छत की ओर करें। अपनी आंखें बंद करें और कुछ गहरी सांसें लें।

सूर्य मुद्रा कैसे करें– दूसरा चरण

इसके बाद, अपनी अनामिका को मोड़ें और इसे अपने अंगूठे से दबाने की कोशिश करें। यदि आप योग के लिए नए हैं, तो इसे करते समय आपको असुविधा या दर्द महसूस हो सकता है। अपनी अनामिका अंगुली को इस प्रकार रखें कि उसका सिरा आपके अंगूठे की जड़ को स्पर्श करे। बाकी तीन अंगुलियों को फैलाकर रखें।

सूर्य मुद्रा कैसे करें–तीसरा चरण

अपने अंगूठे का उपयोग करके अपनी अनामिका पर सहनीय दबाव डालें। जितना दबाओगे उतना ही तुम्हारा अग्नि तत्व बढ़ता है। इसको अधिक मत करो। यही प्रक्रिया दूसरी ओर भी एक साथ दोहराएं।

सूर्य मुद्रा करते समय इस बात का रखें ध्यान

हर दिन लगभग 30 से 45 मिनट तक इस मुद्रा का अभ्यास करने की सलाह दी जाती है। आप सभी एक बार में या दिन में तीन बार 10 से 15 मिनट तक कर सकते हैं। इसे अधिक अभ्यास नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे शरीर में अत्यधिक गर्मी हो सकती है।

कैसे दूर करें खांसी-जुकाम, जानें हल्दी से जुड़े तीन घरेलू नुस्खे

मौसम में बदलाव के कारण कई वायरल और रेस्पेरिटेरी इंफेक्शन में वृद्धि हुई है. बिगड़ते प्रदूषण के स्तर और नए ओमिक्रॉन सबवेरिएंट भी बुखार, खराश, खांसी और सर्दी जैसे लक्षण पैदा कर सकते हैं. जब आप इन उपर्युक्त लक्षणों को विकसित करते हैं तो ऐसे में आप बिल्कुल भी लापरवाही न करें आपको अपनी हेल्थ पर ध्यान देने की सख्त जरूरत है.

जरा सी लापरवाही आपको भारी नुकसान पहुंचा सकती है. 1 लीटर पानी लें, इसमें आधा छोटा चम्मच सोंठ पाउडर या ताजा अदरक का छोटा डंठल डालकर मध्यम आंच पर 10 मिनट तक उबालें. फिर छान लें और इसे कमरे के तापमान पर आने दें और फिर इसे स्टील की बोतल में भरकर रख लें. एक ग्लास पानी में 1 चम्मच हल्दी डाल दें और फिर उसके बाद उसे 3 से 5 मिनट तक बॉयल करें.

दिन में 2 से 3 बार इस पानी से गरारे करें.

पानी के दो ग्लास लें और इसमें तुलसी के पत्ते डालें, 5-7 पुदिना के पत्ते डालें, आधा चम्मच हल्दी के साथ उसे 7 से 10 मिनट तक मध्यम आंच पर गर्म करें फिर पिएं.

इन नुस्खों से आपको जल्द ही असर पड़ेगा.

BNM Fantasy

Thursday
12 October 2023

अक्षरा सिंह का देवी गीत हुआ रिलीज

शारदीय नवरात्रि का आगमन बहुत ही नजदीक है। ऐसे में देवी मां के भक्तों के लिए भोजपुरी सुपर स्टार अक्षरा सिंह अपना नया देवी गीत लेकर आई हैं। उनके नए देवी गीत का टाइटल है- 'गावेली गितिया बिटिया लागेली सुनरी'। इस गाने में अक्षरा सिंह मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष गीत गाते हुए नजर आ रही हैं। अक्षरा का यह गाना उनके यू-ट्यूब पर रिलीज होने के बाद वायरल हो रहा है। अक्षरा सिंह ने अपने देवी गीत 'गावेली गितिया बिटिया लागेली सुनरी' को लेकर कहा कि मैं माता रानी की अनन्य भक्त हूं। इसलिए हर साल माता रानी के लिए गीत ले कर आती हूं।

ज

वान के बाद नयनतारा कर रही बॉलीवुड के सुपर डायरेक्टर की फिल्म?

साउथ फिल्मों की सुपरस्टार नयनतारा ने हालिया ब्लॉकबस्टर जवान से बॉलीवुड में शानदार शुरुआत की। शाहरुख खान फिल्म जवान अब भी बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाए हुए है। इसी बीच टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट की मानें तो नयनतारा अब बॉलीवुड में अपनी दूसरी पारी के लिए तैयार और उनकी बातचीत चल रही है। रिपोर्ट्स की मानें तो नयनतारा फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित संगीतमय पीरियड ड्रामा बैजू बावरा में एक खास भूमिका निभाती नजर आ सकती है।लेटेस्ट रिपोर्ट्स की मानें तो संजय लीला भंसाली की फिल्म बैजू बावरा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए नयनतारा से संपर्क किया है। फिल्म बैजू बावरा में रणवीर सिंह लीड रोल प्ले करेंगे। इस म्यूजिकल पीरियड ड्रामा में आलिया भट्ट लीड एक्ट्रेस होंगी। रिपोर्ट्स से यह भी पता चलता है कि साउथ सुपरस्टार आलिया भट्ट की जगह नहीं ले रही हैं। नयनतारा को रणवीर और आलिया के साथ फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया गया है। हालांकि, नयनतारा ने फिल्म को लेकर अभी हामी नहीं भरी है। बैजू बावरा के दोनों निर्माता फिलहाल नियम और शर्तों पर काम करने में व्यस्त हैं। कथित तौर पर नयनतारा और उनके निर्देशक पति विग्नेश शिवन ने मार्च 2023 में संजय लीला भंसाली से मुलाकात की थी। यदि चीजें सही होती है तो नयनतारा, रणवीर सिंह और आलिया भट्ट के साथ बैजू बावरा के लिए बोर्ड पर आ सकती हैं।

शराब के नशे में को-पैसेंजर ने किया हैरेसमेंट

एक्ट्रेस दिव्या प्रभा ने दर्ज कराई FIR

साउथ इंडियन एक्ट्रेस दिव्या प्रभा के साथ फ्लाइट में बदसलूकी का मामला सामने आया है। मलयालम फिल्मों में काम करने वाली दिव्या प्रभा ने मंगलवार रात सोशल मीडिया पर आपबीती शेयर की है। उन्होंने इस मामले में पुलिस शिकायत भी दर्ज कराई है। दिव्या की मानें तो शराब के नशे में धुत्त एक शख्स ने उनके साथ बदसलूकी। जब उन्होंने इस बात की शिकायत एयरहोस्टेस से की तो उन्होंने कार्रवाई के नाम पर सिर्फ उनकी सीट चेंज करा दी। दिव्या के मुताबिक़, यह पूरी घटना एयर इंडिया की फ्लाइट AI 681 में हुई। दिव्या प्रभा ने केरल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि 9 अक्टूबर को जब वे मुंबई से कोच्चि जा रही थीं, तब एयर इंडिया की फ्लाइट AI 681 में को-पैसेंजर ने उन्हें परेशान किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पेज पर उस शख्स के खिलाफ एफआईआर की जानकारी देते हुए बताया कि दुर्व्यवहार के बारे में उन्होंने एयरहोस्टेस को बताया। लेकिन उन्होंने जो एक्शन लिया, वह सिर्फ इतना था कि टेक ऑफ के पहले उन्हें अलग सीट पर बैठा दिया गया।दिव्या ने अपनी पोस्ट में लिखा है, "कोच्चि एयरपोर्ट पर लैंड होने के बाद मैंने एयरपोर्ट और एयरलाइंस अथॉरिटी को अपनी प्रॉब्लम के बारे में बताया। उन्होंने मुझे एयरपोर्ट में पुलिस सहायता चौकी पर भेज दिया।" उन्होंने केरल पुलिस को भेजे गए मेल का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा है, "आइए, यात्रियों की सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाएं और अथॉरिटीज को उचित कर्रवाई के लिए प्रोत्साहित करें।"कोच्चि के नेदुम्बसेरी पुलिस स्टेशन की ओर से मामले पर अपडेट दिया गया है। उन्होंने बुधवार को अपने एक बयान में कहा कि शिकायतकर्ता की ओर से उन्हें एक मेल प्राप्त हुआ है, जिसे फॉर्मल कंप्लेंट के रूप में कंसीडर करने की गुजारिश की गई है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, "हम मामले की छानबीन कर रहे हैं। हम उनसे (दिव्या प्रभा) संपर्क करने और घटना के बारे में डिटेल जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक हमने उनसे फोन पर संपर्क नहीं किया है।